

"समस्तो मा ज्ञोतिर्विभवः"



Ideal Education Society's

**Nutan Adarsh Arts, Comm. &
Smt. M. H. Wegad Science college**

Manglwari peth, Umrer, Dist. Nagpur (M.S.) Pin. 441203
(Affiliated to R.T.M. Nagpur University, Nagpur)

Principal

Dr. Archana R. Chaudhari

M.Sc. (Chemistry), Ph.D.
Mob. 9823285684

NAAC REACCREDITED 'B++' GRADE

Phone : 07116-242048 Fax : 07116242048

Email : principal.namhwmu@rediffmail.com

: principal.namhwmu@gmail.com

Website : www.nutanadarshcollege.org

Ref.No. _____ /NAMHWMU/20

Date :

Report of the One Day National Seminar on

Innovative Science: Accessible Tools in Biophysics

The Departments of Physics and Zoology of NutanAdarsh College, Umred, successfully organized a **One Day National Seminar on "Innovative Science: Accessible Tools in Biophysics"** through the online Zoom platform on 13th September 2025.

The seminar was presided over by the Principal of the college, Dr. ArchanaChaudhari, who in her presidential address encouraged students to adopt an innovative scientific outlook and contribute meaningfully to research. She further emphasized that such national-level seminars introduce students to advanced research tools and help in boosting their confidence.

As the Chief Guest, Asso.Prof. SatishDalal (Head &Department of Zoology) highlighted that students from rural areas should utilize science and technology to establish their identity at the global level.

The resource person, Dr. RiteshKohale (ShriSantGadgeMaharajMahavidyalaya, Hingna, Nagpur), delivered an intellectually enriching and inspiring lecture that blended scientific rigor with practical insights. His thought-provoking presentation not only broadened the participants' understanding of biophysics but also ignited curiosity and a spirit of exploration. The session encouraged students and researchers to challenge conventional perspectives, frame new research questions, and cultivate innovative solutions for real-world scientific problems.

The resource person, Dr. AashidharaDarvekar (K.Z.S. Science College, Brahmani, Kalmeshwar, Nagpur), delivered a highly innovative and insightful talk. She emphasized the importance of making scientific tools more accessible to students and researchers, particularly in the field of biophysics. Her lecture combined clarity of concepts with practical demonstrations, enabling participants to understand complex scientific ideas with ease. Dr.



Darvekar's inspiring session motivated the audience to adopt creative approaches in research, utilize modern techniques effectively, and contribute to building a strong foundation for future innovations in science.

The seminar was efficiently coordinated by Dr. SanjivKondekar (IQAC Coordinator), Asst. Prof. MadhuriWarbhe (Convener) and Dr. ChandrahasyaNandanwar (Organizing Secretary), ensuring the smooth organization of the program. The organizing committee members – Dr. ShailendraKhambadkar, Asst. Prof. Pranali Hinge, Asst. Prof. NileshChapleand Asst. Prof. DeeptiAmbildhuke – also contributed significantly to the success of the seminar.

Asst. Prof. MadhuriWarbhe (Convener) presented a comprehensive analytical review of the program, highlighting the key discussions, innovative insights, and the overall impact of the seminar on students and researchers. Her reflections effectively summarized the essence of the event and emphasized its role in promoting scientific curiosity and research-oriented thinking.

Dr. ChandrahasyaNandanwar (Organizing Secretary) played a pivotal role in meticulously planning and ensuring the seamless execution of the seminar. With his dedicated efforts, the program achieved remarkable success. He also had the honor of introducing the distinguished resource person, Dr. RiteshKohale, who highlighted her academic achievements and contributions to the field of science before inviting her to deliver the lecture.

The distinguished resource person, Dr. AashidharaDarvekar, was warmly and eloquently introduced by Asst. Prof. DeeptiAmbildhuke, who highlighted her academic achievements and contributions to the field of science before inviting her to deliver the lecture.

The entire seminar was excellently conducted by Asst. Prof. Pranali Hinge. With her confident presence and eloquent anchoring, she maintained the flow of the program effectively from beginning to end. Her engaging style kept the audience attentive, while her graceful presentation added charm to the proceedings. She played a vital role in ensuring that the seminar was organized smoothly and successfully.

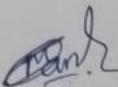
The formal vote of thanks was proposed by Dr. ShailendraKhambadkar, who expressed heartfelt gratitude to all the dignitaries, resource persons, participants, and organizing members. He sincerely acknowledged the guidance of the Principal, the valuable insights shared by the resource persons, and the enthusiastic participation of students and researchers, which together made the seminar a grand success.



The seminar received more than 400 registrations, with over 150 participants, including students, researchers, and faculty members joining online through the Zoom platform. The enthusiastic participation of students, teachers, dignitaries, and researchers ensured the grand success of this National Science Seminar.



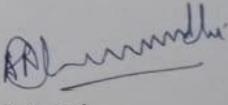
Convener



Organizing Secretary



IQAC Coordinator

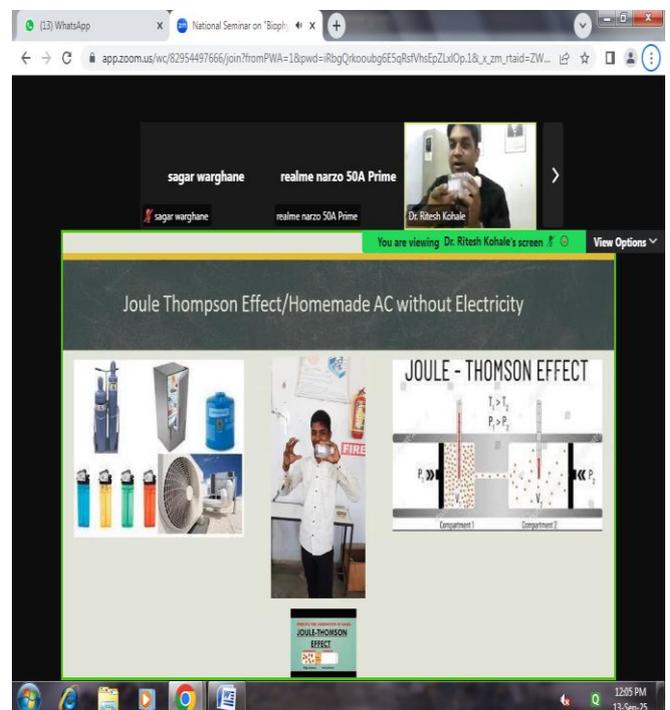
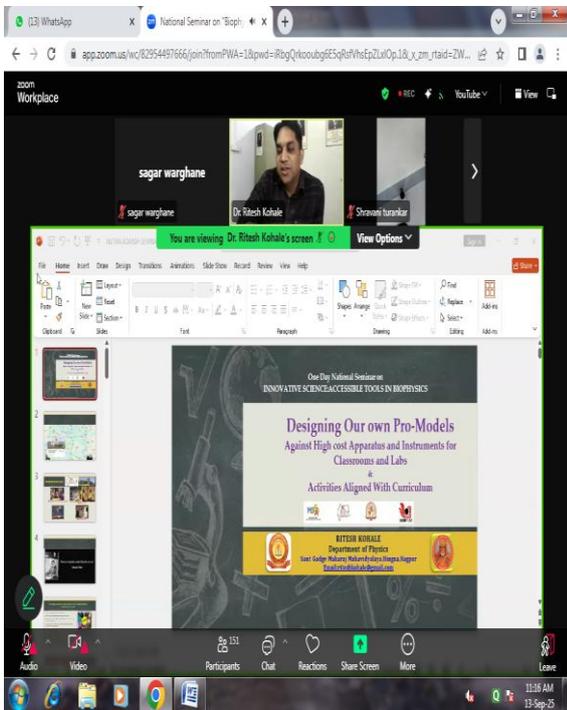
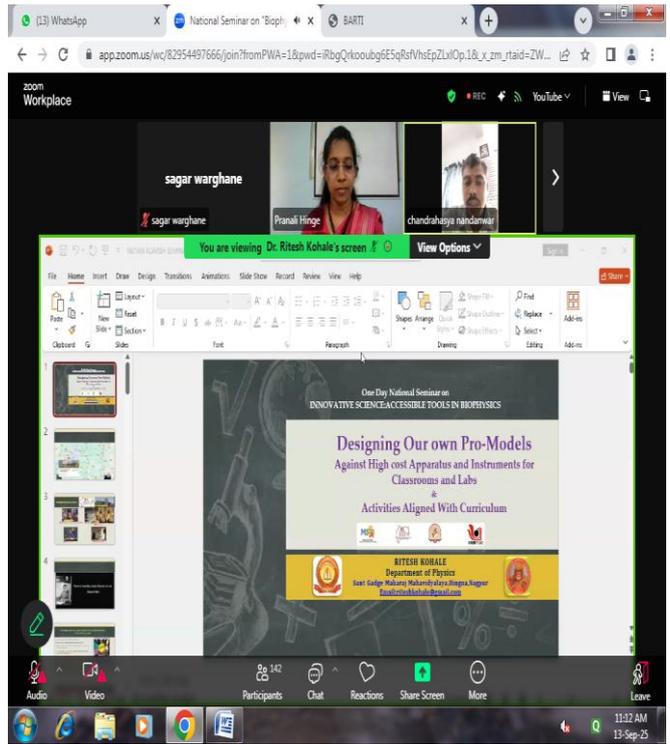
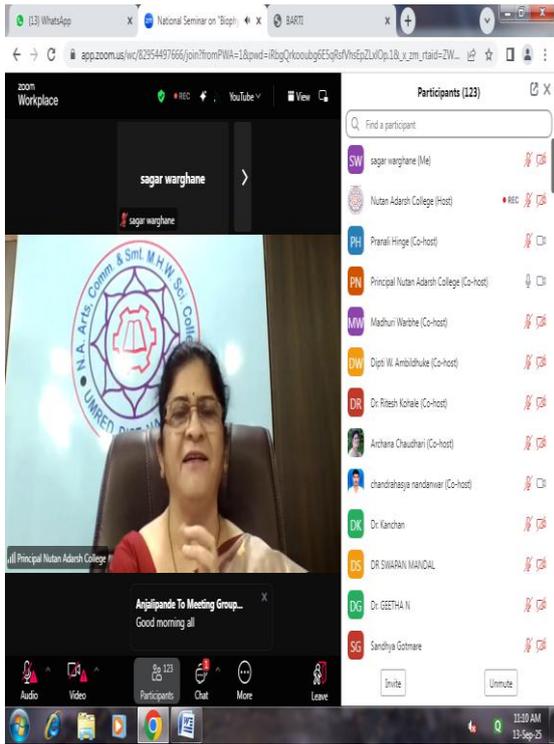


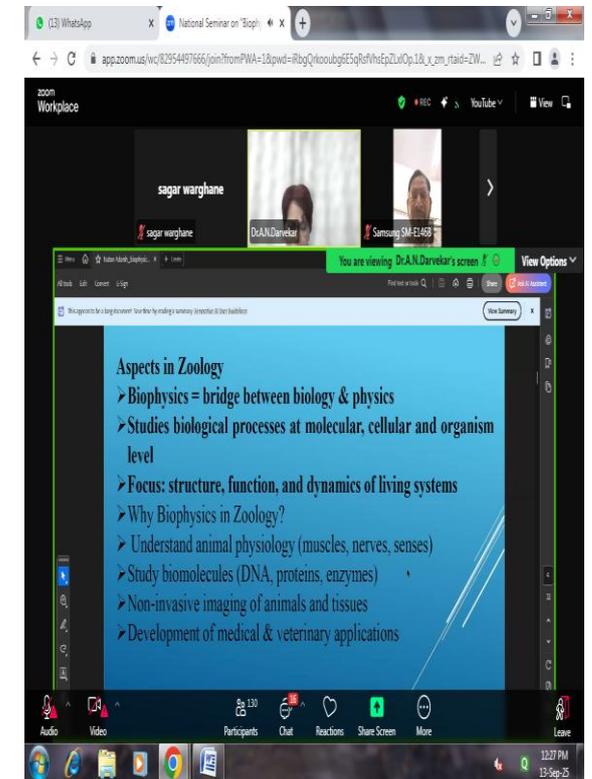
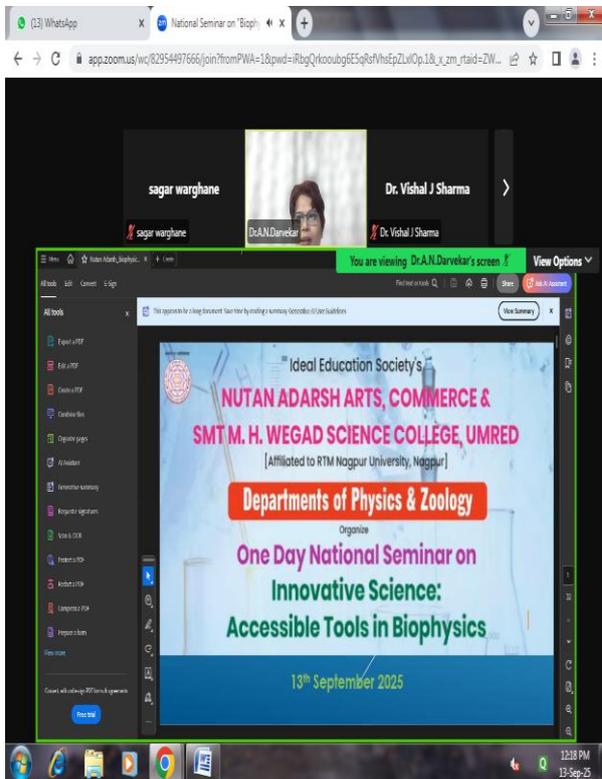
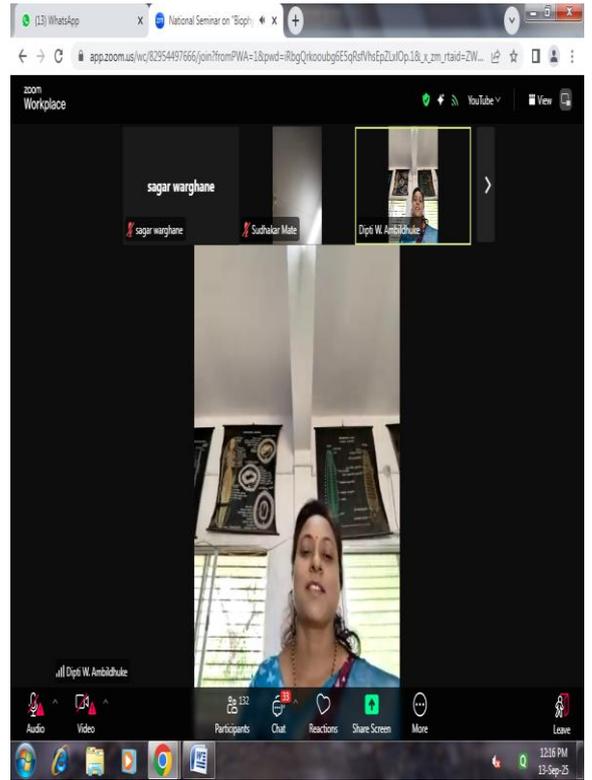
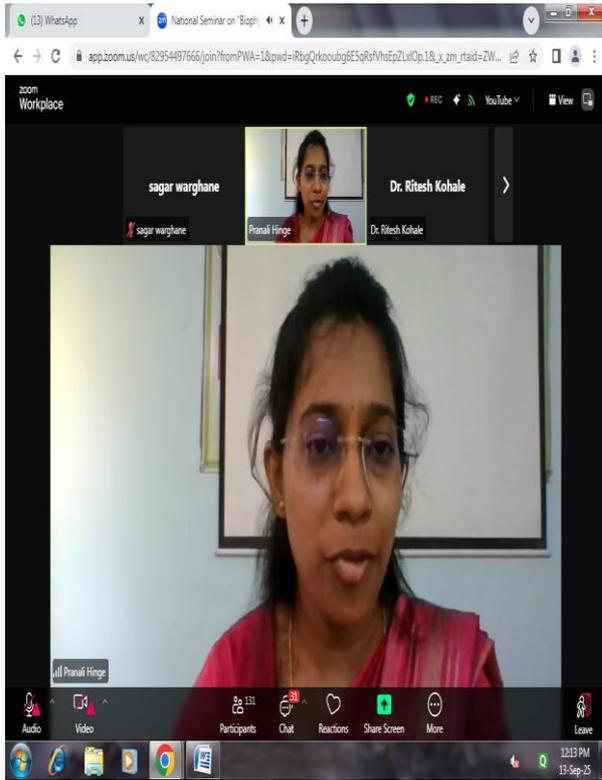
Principal

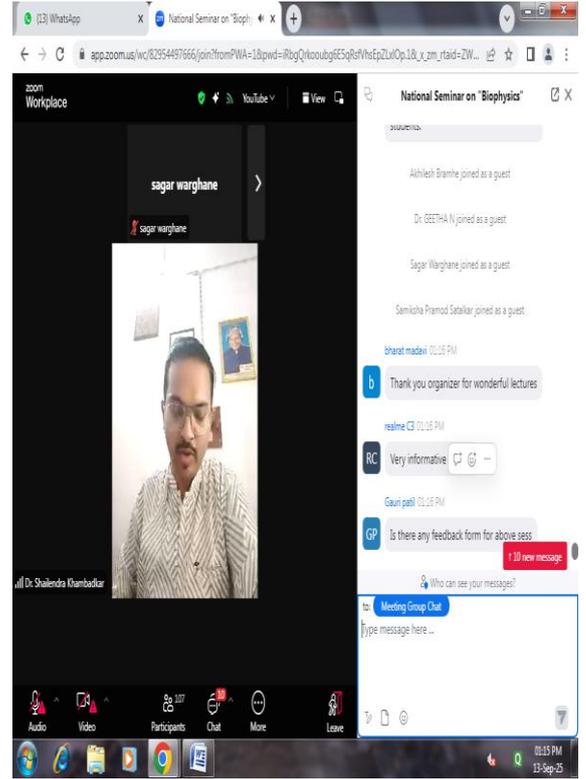
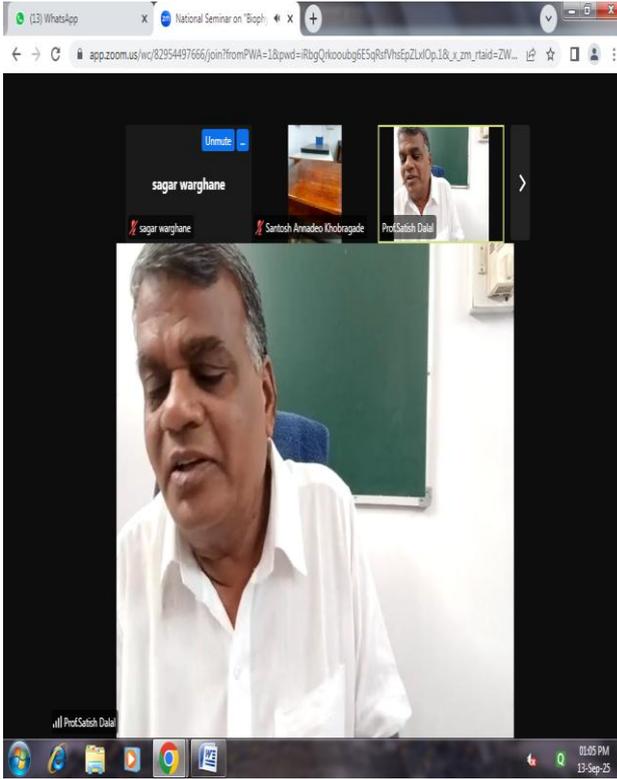
Coordinator
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
Nutan Adarsh Arts, Com., & S.S. M. H.
Wegad Science College, Umerga (Dist. Nagpur)

PRINCIPAL
Nutan Adarsh Art's Com. & Smt
M. H. Wegad Science College
Umerga Dist. Nagpur 441203









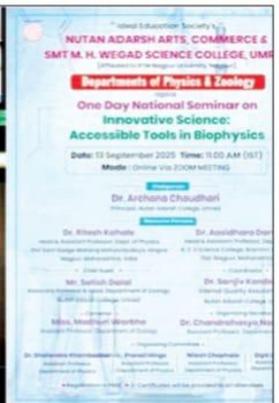
एक दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान परिसंवाद का सफल आयोजन

नूतन आदर्श महाविद्यालय का स्तुत्य उपक्रम

संवाददाता

उमरेड। नूतन आदर्श महाविद्यालय उमरेड में एक्सेसेबल टूल्स इन बायोफिजिक्स इस विषय पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान परिसंवाद का ऑनलाइन झूम प्लॉटफॉर्म का आयोजन किया गया। इस परिसंवाद की अध्यक्षता नूतन आदर्श महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना चौधरी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में विद्यार्थियों ने नाविन्यपूर्वक वैज्ञानिक दृष्टिकोण आत्मसात कर संशोधन क्षेत्र में नए नए प्रगत तंत्रज्ञान का इस्तेमाल करने का आह्वान किया।

इस तरह के राष्ट्रीय विज्ञान परिसंवाद के कारण विद्यार्थियों को नए नए संशोधन साधनों का परिचय होता है जिससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। प्रमुख अतिथि प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख प्रा. सतीश दलाल ने अपने संबोधन में बताया कि विज्ञान व तंत्रज्ञान की मदद से ग्रामीण परिसर के विद्यार्थियों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनानी चाहिए, संसाधन व्यक्ति के तौर पर श्री संत गाडगे महाराज महाविद्यालय हिंगणा के डॉ. रितेश कोहले व के. झेड.एस. विज्ञान महाविद्यालय ब्राम्हनी कलमेश्वर के डॉ. आसीधरा दारवेकर ने विद्यार्थी व संशोधकों को बौद्धिक व गुणात्मक मार्गदर्शन किया। उनके सखोल व प्रेरणादायी व्याख्यान से सहभागीयों के मन में नए प्रश्न व नाविन्यपूर्ण कल्पना



निर्माण हुई। इस परिसंवाद के संयोजक आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. संजीव कोंडिकर व प्रा. माधुरी वरभे थीं। आयोजन सचिव डॉ. चंद्रहास्य नंदनवार ने परिसंवाद के आयोजन हेतु विशेष परिश्रम लिया। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. शैलेंद्र खांबाडकर, प्रा. प्रणाली हिंगे, प्रा. नीलेश चापले, प्रा. दिप्ती आंबीलडुके ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। संचालन प्रा. प्रणाली हिंगे ने किया। संयोजिका प्रा. माधुरी वरभे ने कार्यक्रम का

विश्लेषणात्मक विवेचन किया। अतिथियों का परिचय डॉ. चंद्रहास्य नंदनवार व प्रा. दिप्ती आंबीलडुके ने करा दिया. आभार प्रा. शैलेंद्र खांबाडकर ने माना। इस राष्ट्रीय विज्ञान परिसंवाद के लिए ४०० से ज्यादा पंजीयन हुआ था। साथ ही १५० से ज्यादा विद्यार्थी, संशोधक व प्राध्यापक झूम प द्वारा ऑनलाइन सहभागी हुए थे. विद्यार्थी, प्राध्यापक, मान्यवर व संशोधकों के सहभाग से यह राष्ट्रीय विज्ञान परिसंवाद सफल हुआ।

उमरेड में राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन

नूतन आदर्श
महाविद्यालय में
हुआ कार्यक्रम

■ उमरेड, (सं). शहर के नूतन आदर्श कॉलेज में 'वन डे नेशनल सेमिनार ऑन इनोवेटिव साइंस : एक्सिसिबल टूल्स इन बायोफिजिक्स' शीर्षक से एक दिन की राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म पर सफलता पूर्वक आयोजित की गयी. इस संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. अर्चना चौधरी ने की. उन्होंने कहा कि,

400 प्रतिभागियों ने कराया पंजीयन

इस राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी में 400 से ज्यादा प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया और 150 से ज्यादा छात्र, शोधकर्ता तथा प्राध्यापक जूम एप के माध्यम से ऑनलाइन शामिल हुए. छात्रों, प्राध्यापकों, गणमान्य व्यक्तियों और शोधकर्ताओं ने उत्साह से हिस्सा लेने से राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी अत्यंत सफल रही.

छात्रों को पूरी विषय वस्तु पर आधारित नवाचारपूर्ण वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर शोध क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी के माध्यम से छात्रों को नये शोध उपकरणों से परिचय मिलता है तथा आत्मविश्वास भी बढ़ता है. समारोह के



अतिथि कॉलेज के प्राणीशास्त्र विभाग प्रमुख प्रो. सतीश दलाल ने कहा कि विज्ञान और तकनीक की सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनानी चाहिए. संसाधन व्यक्तियों के रूप में डॉ. रितेश कोहले संत गाडगे महाराज महाविद्यालय, हिंगना, नागपुर और

डॉ. आसीधरा दारवेकर के.जेड.एस. साइंस कॉलेज ब्राह्मणी, कलमेश्वर, नागपुर ने छात्रों तथा शोधकर्ताओं को बौद्धिक और गुणात्मक मार्गदर्शन कर उनके गहन और प्रेरणादायी व्याख्यान से प्रतिभागियों के मन में नए सवाल और नवाचारी विचार उत्पन्न हुए. इस संगोष्ठी के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. संजीव कोडेकर, प्रा.निलेश चाफले आदियों ने समारोह को सफल बनाने के लिये प्रयास किए. समारोह का संचालन प्रो. प्रणाली हिंगे तथा प्रास्तविक संयोजिका प्रो. माधुरी वरभे ने किया. अतिथि परिचय डॉ. चंद्रहास्य नंदनवार व प्रो. दीप्ती आंबिलडूके ने किया. आभार डॉ. शैलेन्द्र खांबाडकर ने माना.

Nagpur Metro Edition

Sep 16, 2025 Page No. 5

Powered by: navbharatlive.com